



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राविकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २५३] नई विल्ही, मंगलवार, जुलाई १५, १९७५/आषाढ़ २४, १८९७

No. २५३] NEW DELHI, TUESDAY, JULY १५, १९७५/ASADHA २४, १८९७

इस भाग में भिन्न वृक्ष संस्थाएँ जाती हैं जिससे कि यह घासग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th July 1975

S.O. 352(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (9) of section 5A of the Companies (Temporary Restrictions on Dividends) Act, 1974 (35 of 1974), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Companies (Temporary Restrictions on Dividends) Warrant Rules, 1975.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires,—
 - (a) 'Act' means the Companies (Temporary Restrictions on Dividends) Act, 1974 (35 of 1974);
 - (b) 'Warrant' means a warrant or a cheque authorising payment of dividend declared by the company in terms of the provisions of the Act;
 - (c) 'Form' means the form specified in the Schedule to these rules.

3. Form in which dividend warrant shall be issued.—Every company to which this Act applies and which declares, out of its profits for any financial year, dividend exceeding, in the aggregate, its distributable profits for that financial year, shall, on and from the 1st day of March, 1975, issue dividend warrants in respect of immediate dividend and deferred dividends in the form specified in the Schedule to these rules:

Provided that no company shall incur any liability for punishment for the issue, before the commencement of these rules, of any dividend warrant in a form other than the form specified in the Schedule to these rules.

THE SCHEDULE

(See Rule 3)

FORM OF THE WARRANT*

[Pursuant to sub-section (9) of section 5A of the Companies (Temporary Restriction on Dividends) Act, 1974]

Name of the Company and address of its registered office.....

Dividend Warrant No. Station

Ledger Folio..... Date

IMMEDIATE DIVIDEND

& Co.

To

(Name and address of the Bank at which payable.)

Pay.....(name of the shareholder) or order the sum of Rupees.....only.

Signature of the payee.....Signature of the person authorised by the Company.

Name of the Company and address of its registered office.....

Dividend Warrant No. Station

Ledger Folio..... Date

DEFERRED DIVIDEND

(First Instalment)

Payable on 5-7-76 or within three months thereafter.

& Co.

To

(Name and address of the Bank at which payable.)

Pay.....(name of the shareholder) or order the sum of Rupees.....only.

Signature of the payee.....Signature of the person authorised by the Company.

Name of the Company and address of its registered office.....

Dividend Warrant No. Station

Ledger Folio..... Date

DEFERRED DIVIDEND

(Second Instalment)

Payable on 5-7-77 or within three months thereafter.

& Co.

To

(Name and address of the Bank at which payable.)

Pay.....(name of the shareholder) or order the sum of Rupees.....only.

Signature of the payee.....Signature of the person authorised by the Company.

*The three parts of the Warrant should be printed on the same sheet of paper and separated by perforations.

[No. F. 18/15/75-CL.XIV]

A. CHOUDHURY, Jt. Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1975

का० आ० 352 (ग).—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी (लाभांशों पर अस्थायी निर्बन्धन) अधिनियम, 1974 (1974 का 35) की धारा 5क की उपधारा (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विभिन्निकित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम कम्पनी (लाभांशों पर अस्थायी निर्बन्धन) अधिपत्र नियम, 1975 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषा।—इन नियमों में, जब तक सन्दर्भ से प्रत्यया अपेक्षित न होः—

(क) 'अधिनियम' से कम्पनी (लाभांशों पर अस्थायी निर्बन्धन) अधिनियम, 1974 (1974 का 35) अभिप्रेत है;

(ख) 'अधिपत्र' से अभिप्रेत है, अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार कम्पनी द्वारा घोषित लाभांशों का संदाय प्राधिकृत करने वाला अधिपत्र या चैक;

(ग) 'प्ररूप' से अभिप्रेत है इन नियमों की अनुसूची में दिए गए प्ररूप।

3. प्ररूप जिसमें लाभांश अधिपत्र जारी किया जाएगा।—प्रत्येक कम्पनी, जिसे यह अधिनियम लागू है और जो किसी विस्तीर्ण वर्ष के दौरान अपने लाभों में से, उस वित्त वर्ष के लिए अपने वितरणीय लाभों के योग से अधिक लाभांश घोषित करती है। मार्च 1975 को और उस दिन से तुरन्त विए जाने वाले लाभांशों और आस्थगित लाभांशों की बाबत, इन नियमों की अनुसूची में दिए गए प्ररूप में लाभांश अधिपत्र जारी करेगी;

परन्तु, इन नियमों के प्रारम्भ से पूर्व, इन नियमों की अनुसूची में दिए गए प्ररूप से भिन्न किसी प्ररूप में कोई लाभांश अधिपत्र जारी करने वाली किसी कम्पनी को ऐसा करने के लिए दण्डित नहीं किया जाएगा।

अनुसूची

(नियम 3 देखिए)

*अधिपत्र का प्ररूप

[कम्पनी (लाभांशों पर अस्थायी निर्बन्धन) अधिनियम, 1974 की द्वारा 5क की उपधारा (9) के अनुसरण में]

कम्पनी का नाम और उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता.....

लाभांश अधिपत्र सं० स्थान.....

खाता पत्रा तारीख

तात्कालिक लाभांश

और कम्पनी

सेवा में,

(उस बैंक का नाम और पता जहाँ संदाय किया जाता है)

श्री (अंशधारियों के नाम) को या आदेशानुसार.....
..... १० मात्र की राशि का संदाय करें।

प्राप्त कर्ता का हस्ताक्षर..... कम्पनी द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति का
हस्ताक्षर.....

कम्पनी का नाम और उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता.....

लाभांश अधिपत्र सं० स्थान

खाता पत्रा तारीख

प्रास्थगित लाभांश

(प्रथम किस्त)

5-7-76 को या उसके पश्चात् तीन मास के भोतर संवेद्य

और कम्पनी

सेवा में,

(उस बैंक का नाम और पता जहाँ संदाय किया जाता है)

श्री (अंशधारी का नाम) को या आदेशानुसार
..... १० मात्र की राशि का संदाय करें।

प्राप्त कर्ता का हस्ताक्षर..... कम्पनी द्वारा प्राधिकृत
व्यक्ति का हस्ताक्षर.....

कम्पनी का नाम और उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता

लाभांश अधिपत्र सं० स्थान.....

खाता पत्रा तारीख

*अधिपत्र के तीनों भाग एक ही पृष्ठ पर मुद्रित किए जाने चाहिए और छिप्रण द्वारा पुर्यक किए जाने चाहिए ।

प्रत्यगित लाभार्थ

(द्वितीय किस्त)

5-7-77 को या उसके पश्चात तीन मास के छोटर अंदेय
श्रीर कल्पना सेवा में,

(उस बैंक का नाम और पता जहां संदाय किया जाना है)

श्री (अंशधारी का नाम) को या आदेशानुसार
..... १० माल की राशि का संदाय करें।

प्राप्त कर्ता का हस्ताक्षर कम्पनी द्वारा प्राधिकृत
व्यक्ति का हस्ताक्षर

[सं० फा०-18/15/75-सी० एल० XIV]

ए० औधरी, संयुक्त सचिव ।